News item/letter/article/editorial published on December 9.12.2016 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Trove of water 400km beneath Earth's surface

Water As Much As In All Our Oceans Combined Is Locked Deep Beneath The Ground: Experts

Seventy per cent of the earth's surface is water. But that's what just meets the eye. A trove of water — in fact as much water as all the oceans on the planet's surface combined — is hiding 400km beneath our feet.

Geoscientists had earlier thought that below the transition zone where the Earth's mantle meets the crust (at 410 km), a water-filled mineral called brucite was unstable and decomposed. As they decomposed, they released the water, which was recycled back to surface via volcanic activity. But this discovery of a new high-pressure phase of brucite indicates that water could be efficiently transported to far deeper realms without decomposition, reports LiveScience.com.

But new research suggests that before brucite — which is 50% magnesium oxide and 50% water — decomposes, it transforms into another, more stable 3D structure. The finding, which was detailed in the journal Proceedings of the National Academy of Sciences, means there's a stash of water located deeper in the Earth than was previously thought.

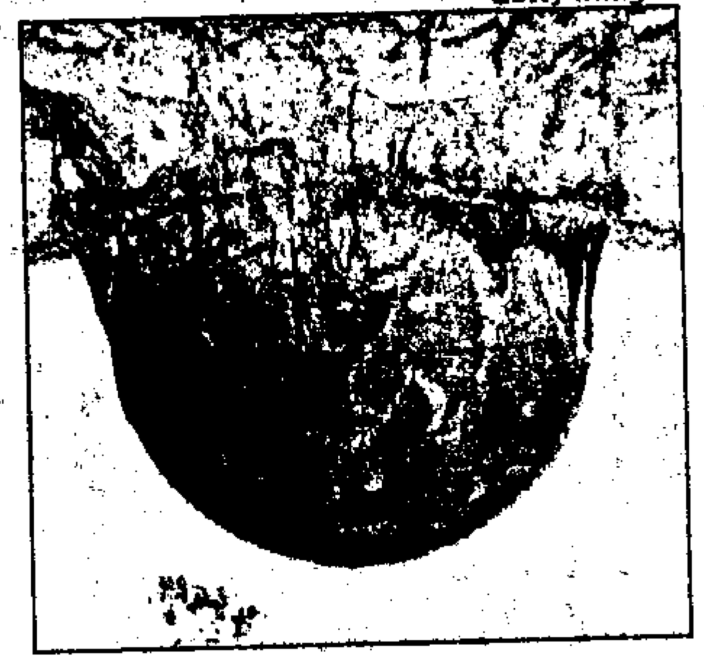

Getty Images

LIQUID WEALTH

"We didn't think water could be stored by hydrous minerals such as brucite. But now that we know it's there, we need to figure out how much water could be effectively stored inside it," said Florida State University assistant professor Mainak Mookherjee.

"This finding was not entirely expected," co-author Andreas Hermann, a lecturer in computational physics at University of Edinburgh said. "People have studied this material for decades and nobody ever thought of looking whether there would be another phase before it eventually fell apart."

Unable to probe the deep Earth directly, Hermann and Mookherjee used quantum-mechanical calculations, analysing various possible structures for brucite in deep-Earth conditions. "We create thousands of structures, optimise them all and do calculations accurate enough that if something stands out as more stable than something else, we can reliably say that it is so," Hermann said.

After months of running various structures through their computer programme, the researchers found a previously unknown phase of brucite that would be able to withstand the high pressures found in the lower mantle.

Current estimates suggest that the deep Earth may hold as much water as all the oceans on the planet. This water, and the additional trove brucite may also hold, are vitally important to the movement of materials through the Earth. As water-containing minerals travel down through the Earth's layers, the materials decompose, releasing the water that makes its way back to the surface, often through volcanic activity. AGENCIES

News item/letter/article/editorial published on December 9.12.2016 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

पंजाब-हरियाणा जल विवाद...

न पानी देंगे, न ही नहर के लिए जमीन : बादल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.co

चंडीगढ़ @ पत्रिका. पंजाब के मोगा जिले के गांव किली चहल में मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के 90वें जन्मदिन पर आयोजित 'पानी बचाओ-पंजाब बचाओ' रैली में बादल ने ऐलान किया कि पंजाब न तो दूसरे राज्यों को पानी देगा और न ही नहर निर्माण के लिए जमीन देगा। उन्होंने कहा कि अब उनका लक्ष्य अगली सरकार बनाना नहीं, बल्कि पंजाब को बचाना है।

रैली को पंजाब भाजपा अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री विजय सांपला ने भी संबोधित किया और कहा कि पंजाब के पास अन्य राज्यों के लिए पानी की एक बूंद भी नहीं है। बादल ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता की भूख शांत करने के लिए पंजाब और पंजाबियों के साथ धोखा किया।

चौटाला का एकजुट होने का आह्वान

इधर, इनेलो के वरिष्ठ नेता एवं हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व कांग्रेस विधायक दल की नेता किरण चौधरी सहित प्रदेश के सभी विधायकों, सांसदों व सामाजिक संगठनों से एसवाईएल के मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होने और जलयुद्ध में शामिल होने का आह्वान किया है। नेता प्रतिपक्ष ने अपने पत्र में प्रदेश के सभी सांसदों व विधायकों से कहा है कि हरियाणा के हितों के विरुद्ध पंजाब के सभी राजनीतिक दल मोर्चेबंदी कर चुके हैं। ऐसे में हरियाणा के सभी राजनीतिक दल व सामाजिक संगठन एकजुट होकर जलयुद्ध में शामिल हों और 23 फरवरी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में गांव इस्माइलपुर पहुंचकर खुदाई कार्य में सहयोग दें। इधर, सांसद दुष्यंत चौटाला ने गुरुवार को लोकसभा में एसवाईएल नहर के निर्माण के लिए अलग से बजट की मांग की, जिससे कि नहर का निर्माण तय सीमा में पूरा हो सके।

News item/letter/article/editorial published on December 9.12.2016 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	Aaj (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

पत्रिका-9-12-16

वर्धा चक्रवाती तूफान

48 घंटे में बरसात की संभावना

चेन्नई. तमिलनाडु और पुंदुचेरी में अगले 48 घंटे में चक्रवाती तूफान वर्धा की वजह से बरसात होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार के अनुसार बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्वी क्षेत्र में अंडमान-निकोबार के निकट बना कम दबाव का क्षेत्र वर्धा चक्रवाती तूफान में बदल चुका है। अगले 24 घंटों में इसके और उग्र होने की संभावना है और संभवतः 12 दिसम्बर को यह तूफान आंध्रप्रदेश में समुद्र तट से सटेगा।मौसम विभाग के अनुसार बहरहाल तमिलनाडु में इस वजह से ऊपरी वायु दबाव का क्षेत्र बनने लगा है और अगले अड़तालीस घंटों के दौरान जगह-जगह बरसात होगी। फिलहाल चक्रवाती तूफान विशाखापट्टिनम से 1040 किमी दूरी पर है जो अगले चौबीस घंटों में और उग्र होगा। इस तूफान के उत्तरी दिशा में बढ़ने की उम्मीद बहुत कम है इसलिए इसका असर आधंप्रदेश के तटीय जिलों खासकर नेल्लेर से काकीनाडा के बीच दिखाई देगा। इस तटीय क्षेत्र में 12 दिसम्बर को यह तूफान तट से सटेगा। बहरहाल, संभावना यह भी है कि तट पर समाप्त होने के पहले यह कमजोर हो जाएगा।

News item/letter/article/editorial published on December 9.12.2016 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi) ✓
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
Aaj (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

गंगा प्रदूषण पर आंकड़ों की जरूरत : एनजीटी

नई दिल्ली, (भाषा): गंगा को नालों द्वारा प्रदूषित किये जाने के संबंध में सटीक और सार्वभौमिक आंकड़ों के अभाव को चिन्हित करते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने आज कहा कि नदी की सफाई में लगे सभी प्राधिकरण अपने आंकड़े प्रस्तुत कर रहे हैं, जो दूसरों से अलग होते हैं। अधिकरण ने सरकार और सीपीसीबी से समान आंकड़े वाले रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। हरित अधिकरण ने कहा कि यह 'दुर्भाग्यपूर्ण' है कि गंगा के कायाकल्प में शामिल विभिन्न प्राधिकरण अधिकरण को यह बता पाने में सक्षम नहीं हैं कि हरिद्वार से उन्नाव तक कितने नाले गंगा को प्रदूषित कर रहे हैं, उनकी मात्रा क्या है और नदी में गिराये जा रहे पानी की गुणवत्ता क्या है।

एनजीटी प्रमुख न्यायमूर्ति स्वतंत्र कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, "अधिकरण के आदेश के अनुरूप सीपीसीबी (केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) की एक टीम ने नालों को लेकर कुछ आंकड़े प्रस्तुत किये हैं।

पंजाब
9-12-16

.3
Covering L., YIS

News item/letter/article/editorial published on 9.12.2016 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi) ✓	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

कम दबाव का क्षेत्र चक्रवात में तब्दील

चेन्नई, (भाषा): अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र एक गहरे दबाव में होकर चक्रवाती तूफान 'वरदाह' में तब्दील हो गया है और अगले 24 घंटे के दौरान इसके एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है।

प.के. 9.12.16

.ws item/letter/article/editorial published on Hindustan 9.12.2016 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
Aaj (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात से कोहरा बढ़ा

हि-9-12-16

मौसम की मार

नई दिल्ली | विवेक तिवारी

बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवात की वजह से दिल्ली में कोहरा घना हो रहा है। दिसंबर की शुरुआत में जहां नाडा चक्रवात ने हवा में आर्द्रता बढ़ा दी, वहीं 11 दिसंबर के करीब वर्धा नाम का चक्रवात देश के दक्षिण के तटवर्ती इलाकों से टकराएगा।

मौसम वैज्ञानिक समरजीत चौधरी के अनुसार, दिल्ली में कोहरा बनने की मुख्य वजह तो पश्चिमी विक्षोभ है। मगर बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवात के चलते हवाओं का रुख प्रभावित हो रहा है। पूर्व की ओर से आने वाली हवाओं के साथ आ रही आर्द्रता कोहरे को घना बना रही है। 11 दिसंबर से अगले कुछ दिनों तक एक बार फिर दिल्ली में घना कोहरा रहेगा।

उत्तर प्रदेश में घने कोहरे की वजह बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात भी है। 11 दिसंबर के आसपास ही वर्धा चक्रवात दक्षिण भारत के तटवर्ती इलाकों से टकराएगा। ऐसे में हवा में आर्द्रता का स्तर काफी अधिक रहेगा। इससे कोहरा घना होगा।

धूप निकलने से प्रदूषण में मामूली कमी: राजधानी में गुरुवार को दिन में धूप निकलने व हवा की गति में हल्की तेजी के चलते प्रदूषण के स्तर में गिरावट देखी गई। सेंटर फॉर साइंस एंड इनवॉयरमेंट में वायु प्रदूषण के मामलों की प्रमुख अनुमिता रॉय चौधरी ने बताया की गुरुवार को हवा की गति में कुछ सुधार आया था। साथ ही दिन में धूप निकलने से प्रदूषण के स्तर में हल्की कमी आई है। पर यह अस्थयी है। मौसम बदलते ही एक बार फिर प्रदूषण तेजी से बढ़ेगा। हमें सख्त कदम उठाने होंगे।

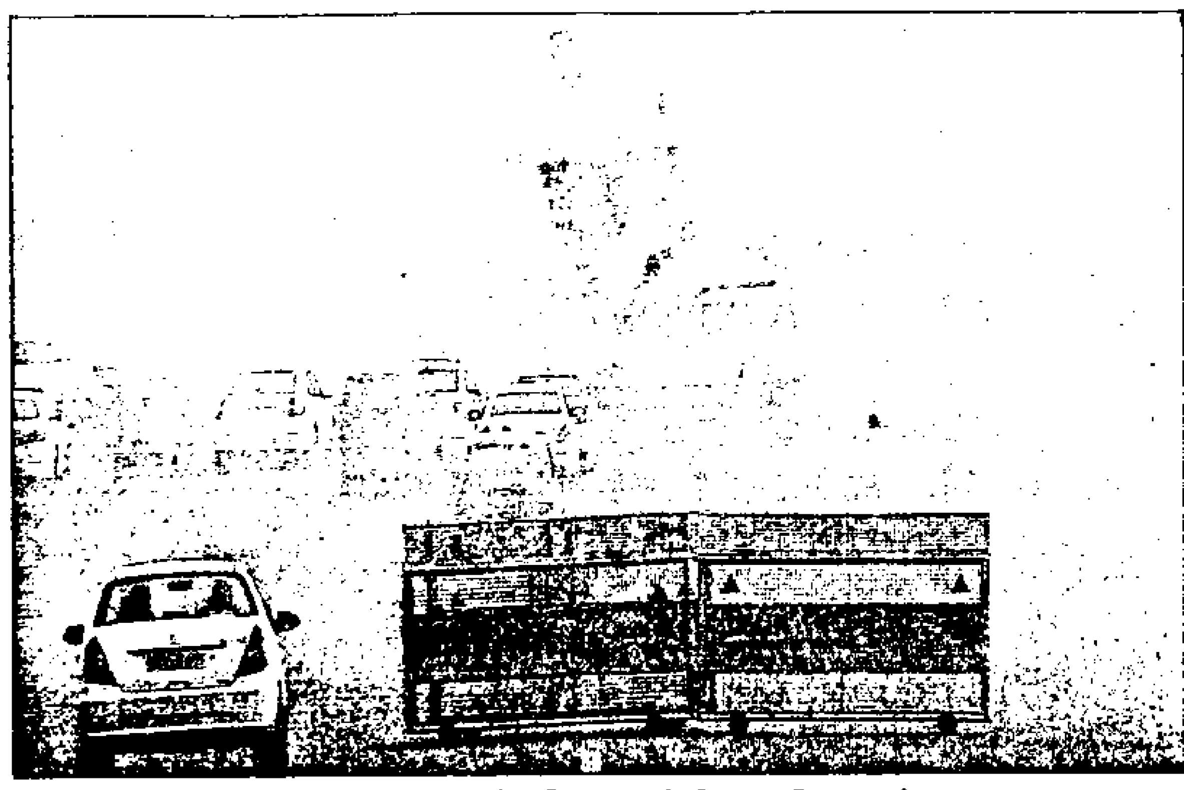

नई दिल्ली में गुरुवार की सुबह कोहरे की चादर में लिपटा विजय चौक। • प्रेट्र

डीयू ज्यादा प्रभावित

प्रदूषण मीटर

इलाके	पीएम 2.5	पीएम 10
डीयू	368	227
धीरपुर	362	371
पीतमपुरा	361	232
पूसा	354	237
लोधी रोड	351	342
एयरपोर्ट	341	294
मथुरा रोड	352	228
आया नगर	336	234

नोट: मानकों के अनुसार, पीएम 10 की मात्रा 100 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर और पीएम 2.5 की मात्रा 60 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए।